B.A.- III (NEW / CBCS Pattern) Sem-V

BA25B-3 : Hindi Literature हिन्दी साहित्य

P. Pages : 3 **GUG/W/22/13020**

Time : Three Hours * 0 7 4 3 * Max. Marks : 80

सुचनाएँ :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।

1. निम्नलिखित दीर्घोत्तरी प्रश्नों में से किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए। **20**

अ) जयशंकर 'प्रसाद' की काव्यगत विशेषताओं का परिचय दीजिए।

अथवा

आ) "निरालाजी छायावाद के एक प्रतिनिधि कवि हैं" इस कथन की विवेचना कीजिए।

2. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक खण्ड के सभी अवतरणों की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **20**

खण्ड 'क'

इ) चिंता कातर वदन हो रहा, पौरुष जिसमें ओत-प्रोत,
उधर उपेक्षामय यौवन का, बहता भीतर मधुमय स्त्रोत
बंधी महावट से नौका थी, सूखे में अब पडी रही,
उतर चला था वह जल-प्लावन, और निकलने लगी मही।

ई) यह अन्तिम जप, ध्यान में देखते चरण युगल
राम ने बढ़ाया कर लेने को नीलकमल।
कुछ लगा न हाथ हुआ सहसा स्थिर मन चंचल,
ध्यान की भुमि से उतरे, खोले पलक विमल।

उ) दैन्य जडित अपलक नत चितवन,
अधरों में चिर निरव रोदन,
युग - युग के तम से विषण्ण मन
वह अपने घर में प्रवासिनी।
तीस कोटि संतान नग्न तन,
अर्ध क्षुधित, शोषित निरस्त्र जन
मूद, असभ्य, अशिक्षित निर्धन,
नत मस्तक तरू तल निवासिनी,

ऊ) कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार
श्याम तन, भर बंधा यौवन,
नत नयन, प्रिय - कर्म रत मन,
गुरु हथौड़ा हाथ,
करती बार - बार प्रहार:-
सामने तरु - मालिका अहालिका, प्राकार।

अथवा

खण्ड 'ख'

ए) सुरधनु रंजित नव जल धर से -
भरे क्षितिज व्यापी अंबर से -
मिले चूमते जब सरिता के -
हरित कूल युग मधुर अधर थे
प्राण पपीहे के स्वर वाली
बरस रही थी जब हरियाली
रस जलकन मालती मुकुल से
जो मदमाते गंध विधुर थे

ऐ) तुम जड़ चेतन की सीमाआँ के आर पार
झंकृत भविष्य का सत्य कर सको स्वराकार,
वाणी मेरी, चाहिए तुम्हें क्या अलंकार
युग कर्म शब्द, युग रूप शब्द, युग सत्य शब्द,
शब्दित कर भावी के सहस्र शत मुक अब्द
ज्योतित कर जत मत के जीवन का अंधकार
तुम खोल सका मानव उर के नि:शब्द व्दार
वाणी मेरी, चाहिए तुम्हें क्या अलंकार।

ओ) 'अब, सुन बे, गुलाब,
भुल मत जो पायी खुशबु, रंग - ओ - आब-
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा है केपीटलिस्ट।
कितनों को तुने बनाया है गुलाम
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा - घाम,
हाथ जिसके तु लगा,
पैर सर रखकर वो पीछे को भागा
औरत की जानिब मैदान यह छोड़कर

औ) शशि - किरणों से अतर - उतरकर,
भू पर कामरुप नभ - चर,
चूम नवल कलियाँ का मृदु - मुख,
सिखा रहे थे मुसकाना।

3. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) हिमाद्री तुंग श्रृंग से कविता का भावार्थ लिखिए।
2) श्रीराम की आँखों में आँसू देखकर हनुमानजी के मन की क्या दशा हो गई?
3) पत्थर तोड़ने वाली स्त्री का वर्णन कीजिए।
4) सुमित्रानंदन पंत की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए।

4. निम्नलिखित लघुत्तरी प्रश्नों में से किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **15**

1) रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए।
2) रीतिकाल का आशय स्पष्ट कीजिए।
3) रीतिकाली कवियों के नाम लिखिए।
4) रीतिकाल के नामकरण पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

5. निम्नलिखित सभी अति लघुत्तरी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। **10**

1) रीतिकाली कोन्ही चार रचनाओं के नाम लिखिए।
2) नव संस्कृति कविता के कवि कौन है?
3) जब राम एकटक आकाश की ओर देख रहें थे तब उन्हें क्या याद आया?
4) कवि ने पत्थर तोड़नेवाली स्त्री को कहा देखा था?
5) रीतिकाल के समय का उल्लेख कीजिए? कब से कब तक रीतिकाल माना जाता है?

****